News Letter

बैसवारा चिन्तन

बैसवारा पीoजीo कालेज, लालगंज, रायबरेली

संपादक, डॉ . रमेश चंद्र यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र

बैसवारा चिन्तन ११ जुलाई, २०२३

बैसवारा डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

Baiswara .P.G. College
Lalganj Raibareli

One Day e-Sangosthi on the Occasion of " World Population Day-2023" July 11,2023 at 11:00 A.M. Onwards.

Topic : Population and Globalization : Challenges and Opportunities

Patron / Manager
Shri Lal Devendra Bahadur Singh
Baiswara P G College Lalganj Raebareli

Principal
Prof. Sheila Srivastava
Baiswara P G College Lalganj Raebareli

Chief Guest
Prof. D. R. Sahu
Head, Department of Sociology, University of Lucknow, Lucknow

Keynote Speaker
Dr. Amit Kumar
Assistant Professor in Center for West Asian Studies, School of International Studies, JNU, New Delhi.

Head & Programme Co-ordinator
Dr. Shailendra Kumar Singh
Baiswara P G College Lalganj Raebareli

Programme Convener
Dr. Sanjeet Singh Chauhan
Assistant Professor, Sociology
Baiswara P G College Lalganj Raebareli

Organising Secretary
Dr . Ramesh Chandra Yadav
Assistant Professor, Sociology
Baiswara P G College Lalganj Raebareli

Organising Committee

Dr. Niranjan Rai	Dr. Pushpa Barnwal	Dr. Kundan Kumar	Dr. B.K. Bhardwaj
Dr. Surya K. Mishra	Dr. Ajay K. Sinha	Dr. Satendra K. Singh	Dr. S.A.R. Abidi
Dr. Navin K. Vishwakarma	Dr. Sanjiv Kumar	Dr. Atul Singh	Dr. Praveen Singh
Dr. Diksha Mishra	Dr. Sanjan Yadav	Dr. Birendra K. Yadav	Dr. Priya Dubey
Dr. Naveen Singh	Dr. Sandeep kananjiya	Dr. Surya K. Verma	Dr. K.K. Dixit
Dr. Manoj K. Tripathi	Dr. Shivendra Singh	Dr. Kamal Singh	Dr. Yagya Shankar Dewedi

Meeting ID : https://meet.google.com/gyi-knmv-ufe
Open Meet and enter this code: gyi-knmv-ufe

Contact No. : 9838973947, 7518952660

मुख्य अतिथि उदबोधन देते हुए प्रोफेसर डी .आर. साहू
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र ,लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ

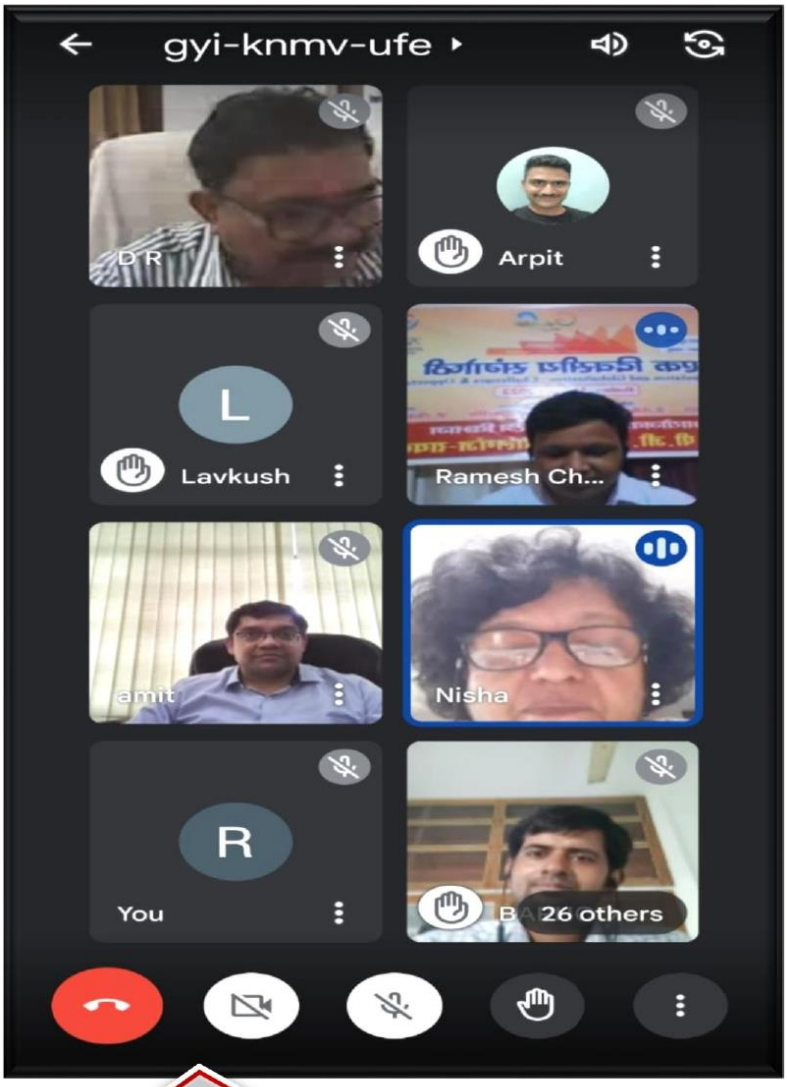

मुख्य वक्ता उदबोधन देते हुए डॉ. अमित कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर ,बेस्ट एशियन स्टडीज इंटरनेशनल स्कूल, जे. एन .यू नई दिल्ली

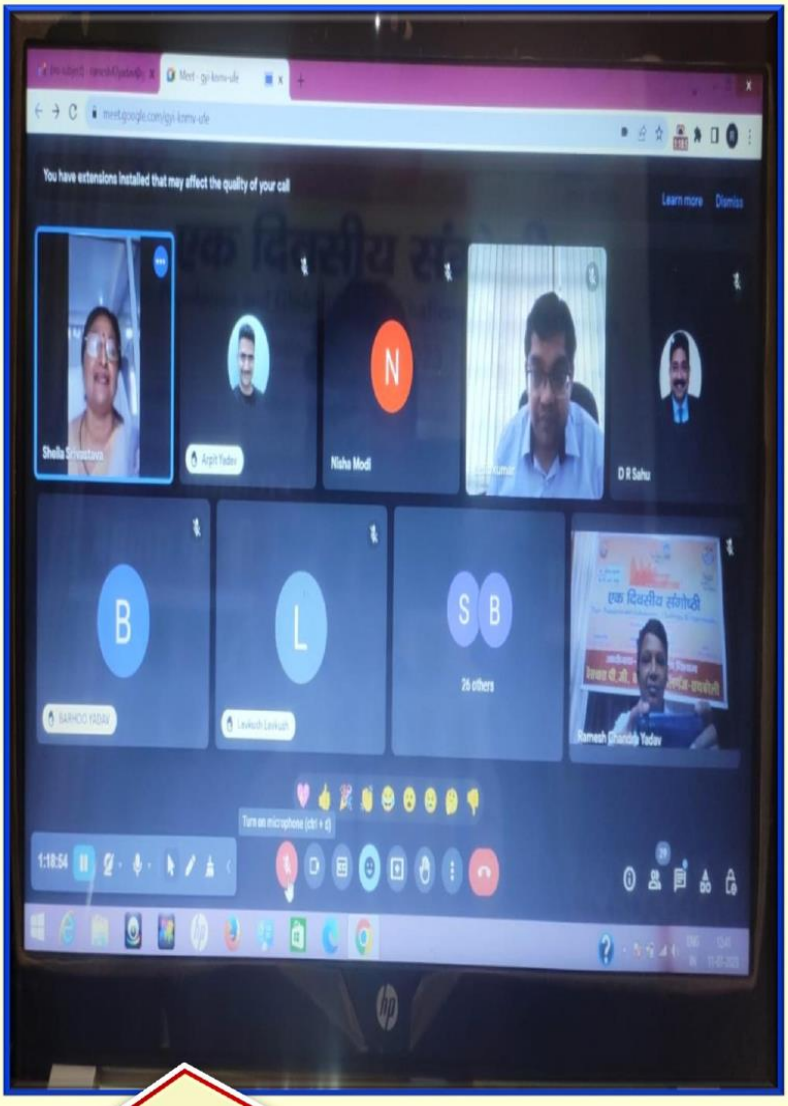

अध्यक्षीय उदबोधन देते हुए प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव, बैसवारा पी.जी. कालेज, लालगंज, रायबरेली

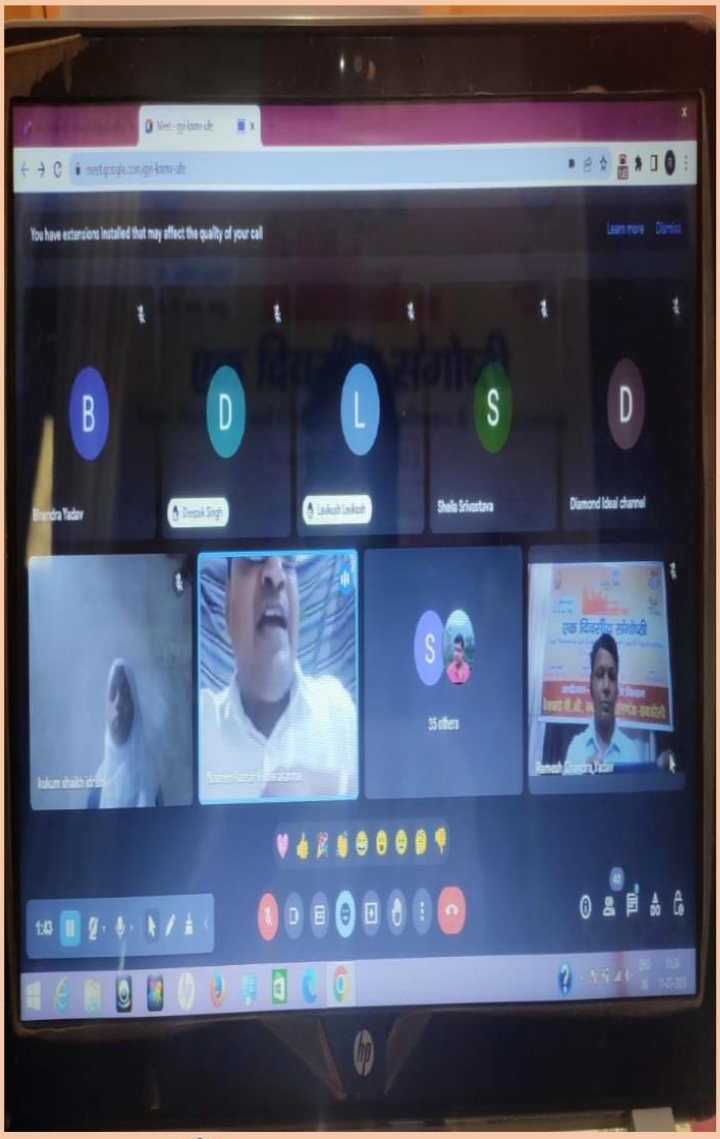

अतिथियों का वाचिक स्वागत करते हुए डॉक्टर
नवीन कुमार विश्वकर्मा, सहायक आचार्य ,अंग्रेजी

संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन करते हुए विभागाध्यक्ष,
समाजशास्त्र, डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह

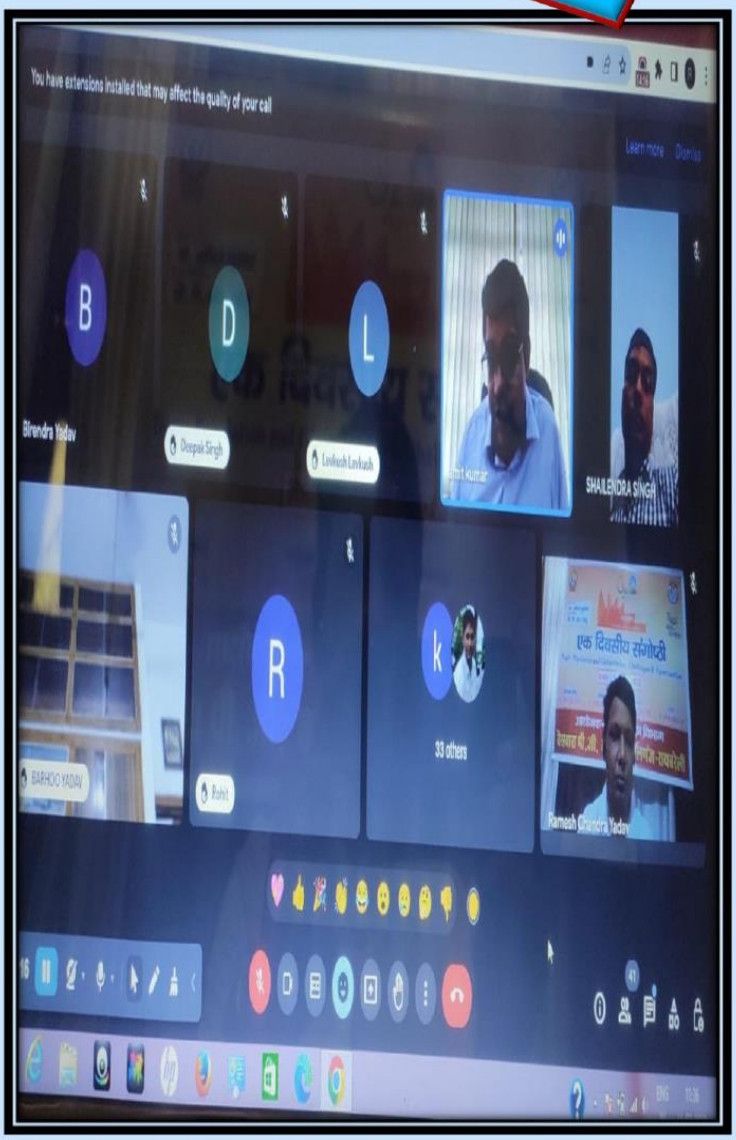

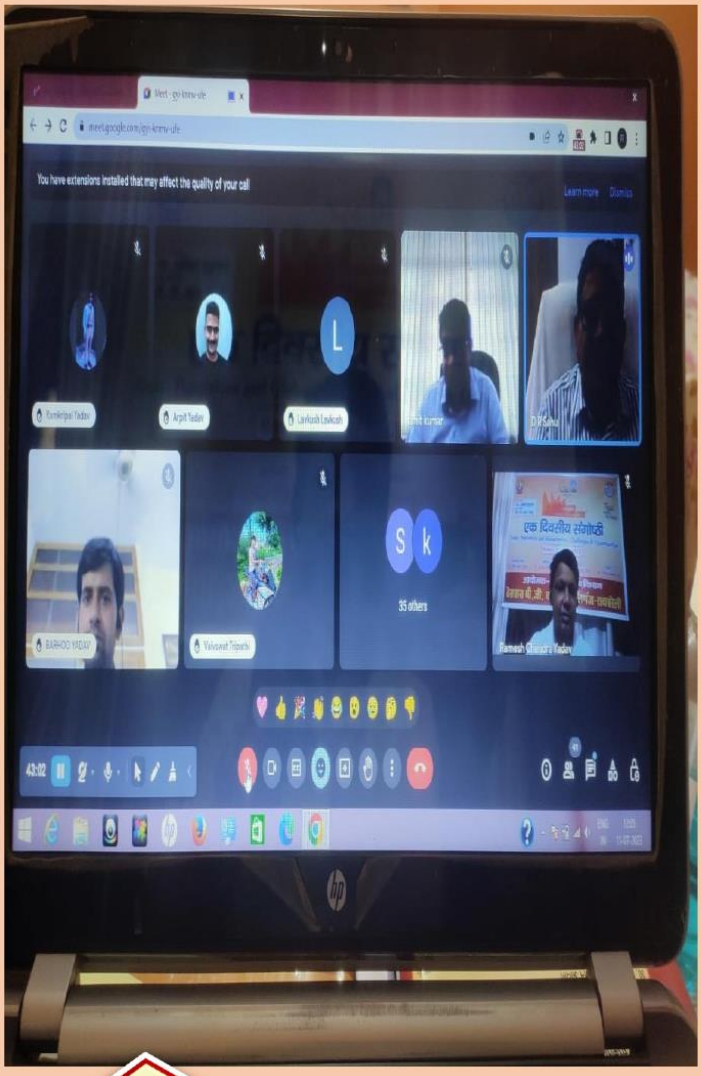

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ . रमेश चंद्र यादव, सहायक आचार्य, समाजशास्त्रबैसवारा पी.जी. कालेज, लालगंज, रायबरेली

Patron / Manager
Shri Lal Devendra Bahadur Singh
Baiswara P G College Lalganj Raebareli

Principal
Prof. Sheila Srivastava
Baiswara P G College Lalganj
Raebareli

Keynote Speaker
Dr. Amit Kumar
Assistant Professor in
Center for West Asian Studies,
School of International Studies,
JNU, New Delhi.

Chief Guest
Prof. D. R. Sahu
Head, Department of Sociology,
University of Lucknow,
Lucknow

Head & Programme Co-ordinator
Dr. Shailendra Kumar Singh
Baiswara P G College Lalganj
Raebareli

Organising Secretary
Dr . Ramesh Chandra Yadav
Assistant Professor, Sociology
Baiswara P G College Lalganj
Raebareli

Programme Convener
Dr. Sanjeet Singh Chauhan
Assistant Professor, Sociology
Baiswara P G College Lalganj
Raebareli

बैसवारा डिग्री कॉलेज में आयोजित जनसंख्या एवं भूमंडलीकरण : चुनौतियां और अवसर विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो.डी.आर. साहू , मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार, प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव, प्रबन्धक लाल देवेन्द्र बहादुर सिंह, डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. संजीत सिंह, डॉ. रमेश चन्द्र यादव।

बैसवारा डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या २०२३ के अवसर पर आयोजित जनसंख्या एवं भूमंडलीकरण : चुनौतियां और अवसर विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डी.आर. साहू विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र,लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा समाज , राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि समाज वैज्ञानिक होने के नाते हमें समस्याओं की पहचान, समस्याओं का एहसास और समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना होगा। २०५० तक विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं।

संगोष्ठी की के मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, बेस्ट एशियन स्टडीज ,इंटरनेशनल स्कूल, जे .एन .यू. नई दिल्ली ने कहा कि जनसंख्या समस्या नहीं है बल्कि अत्यधिक जनसंख्या का होना समस्या है। आपने कहा कि जनसंख्या के साथ हमें उपभोग के संबंध पर भी ध्यान देना चाहिए और उन्होंने गांधीजी के उस कथन की याद दिलाई की प्रकृति के पास मानव की आवश्यकता की पूर्ति के लिए सब कुछ है परंतु लोभ की नहीं। डॉ. कुमार ने आगे कहा कि भारत में १ प्रतिशत लोगों के पास भारत की ५० प्रतिशत जनसंख्या के बराबर की अर्थव्यवस्था है और ५ प्रतिशत लोगों के पास भारत के ४० प्रतिशत आबादी के बराबर की अर्थव्यवस्था है। आपका कहना है कि गुणवत्तापरक शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य के माध्यम से जनसंख्या को अवसर के रूप में देखा जा सकता है किंतु हम अवसरों का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। डॉ. कुमार ने पर्यावरण, जनसंख्या और भूमंडलीकरण तीनों को समग्रता में समझने की बात कही क्योंकि तीव्र गति से हो रहे परिवर्तन से नई संरचना का जन्म हो रहा है। भविष्य में राज्य की भूमिका में कोई कमी नहीं होगी। राज्य निर्णायक भूमिका में रहेगा और सिविल सोसाइटी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव ने किया और इस तरह के राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कराने पर समाजशास्त्र विभाग को बधाई दी एवं प्रसन्नता जाहिर कि भविष्य महाविद्यालय में इस तरह के और भी आयोजन जल्द ही किए जाएंगे। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा की जनसंख्या को हमें अवसर के रूप में देखना चाहिए। इस अवसर पर माननीय प्रबंधक श्री लाल बहादुर सिंह जी का भी आशीर्वाद हम सभी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, संयोजक, श्री संजीत सिंह चौहान रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव, डॉ . रमेश चंद्र यादव, सहायक आचार्य समाजशास्त्र द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत, डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा, सहायक आचार्य, अंग्रेजी एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ वीरेंद्र कुमार यादव, सहायक आचार्य, भूगोल द्वारा किया गया। ऑनलाइन आयोजित इस संगोष्ठी में डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अजय कुमार सिन्हा, डॉक्टर नवीन सिंह सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं तथा विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

बैसवारा डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

✦समाज, राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए- प्रोफ़ेसर डी.आर. साहू

नैतिक आवाज संवाददाता

लालगंज रायबरेली। 11 जुलाई। बैसवारा डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या 2023 के अवसर पर आयोजित जनसंख्या एवं भूमंडलीकरण- चुनौतियां और अवसर विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डी.आर. साहू विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा समाज, राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि समाज वैज्ञानिक होने के नाते हमें समस्याओं की पहचान, समस्याओं का एहसास और समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना होगा। 2050 तक विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। संगोष्ठी की के मुख्य वक्ता डॉ अमित कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, बेस्ट एशियन स्टडीज, इंटरनेशनल स्कूल, जे .एन .यू. नई दिल्ली ने कहा कि जनसंख्या समस्या नहीं है बल्कि अत्यधिक जनसंख्या का होना समस्या है। आपने कहा कि जनसंख्या के साथ हमें उपभोग के संबंध पर भी ध्यान देना चाहिए और उन्होंने गांधीजी के उस कथन की याद दिलाई की प्रकृति के पास मानव की आवश्यकता की पूर्ति के लिए सब कुछ है परंतु लोभ की नहीं। डॉ कुमार ने आगे कहा कि भारत में 1 प्रतिशत लोगों के पास भारत की 50 प्रतिशत जनसंख्या के बराबर की अर्थव्यवस्था है और 5 प्रतिशत लोगों के पास भारत के 40 प्रतिशत आबादी के बराबर की अर्थव्यवस्था है। आपका कहना है कि गुणवत्तापरक शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य के माध्यम से जनसंख्या को अवसर के रूप में देखा जा सकता है किंतु हम अवसरों का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। डॉ कुमार ने पर्यावरण, जनसंख्या और भूमंडलीकरण तीनों को समग्रता में समझने की बात कही क्योंकि तीव्र गति से हो रहे परिवर्तन से **नई संरचना** का जन्म हो रहा है। भविष्य में राज्य की भूमिका में कोई कमी नहीं होगी।

राज्य निर्णायक भूमिका में रहेगा और सिविल सोसाइटी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव ने किया और इस तरह के राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कराने पर समाजशास्त्र विभाग को बधाई दी एवं प्रसन्नता जाहिर कि भविष्य महाविद्यालय में इस तरह के और भी आयोजन जल्द ही किए जाएंगे। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा की जनसंख्या को हमें अवसर के रूप में देखना चाहिए। इस अवसर पर प्रबंधक लाल बहादुर सिंह जी का भी आशीर्वाद हम सभी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, संयोजक, संजीत सिंह चौहान रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव, डॉ. रमेश चंद्र यादव, सहायक आचार्य समाजशास्त्र द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत, डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा, सहायक आचार्य, अंग्रेजी एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ वीरेंद्र कुमार यादव, सहायक आचार्य, भूगोल द्वारा किया गया। ऑनलाइन आयोजित इस संगोष्ठी में डॉक्टर संजीव कुमार, डॉ अजय कुमार सिन्हा, डॉक्टर नवीन सिंह सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं तथा विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

बैसवारा डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

समाज, राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए – प्रो डी आर साहू

लालगंज-रायबरेली ,11 जुलाई। बैसवारा डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या 2023 के अवसर पर आयोजित 'जनसंख्या एवं भूमंडलीकरण रू चुनौतियां और अवसर' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डी.आर. साहू विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र,लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा समाज , राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए । आगे उन्होंने कहा कि समाज वैज्ञानिक होने के नाते हमें समस्याओं की पहचान, समस्याओं का एहसास और समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना होगा । 2050 तक विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं ।संगोष्ठी की के मुख्य वक्ता डॉ अमित कुमार ,असिस्टेंट प्रोफेसर ,बेस्ट एशियन स्टडीज ,इंटरनेशनल स्कूल, जे .एन .यू. नई दिल्ली ने कहा कि 'जनसंख्या समस्या नहीं है बल्कि अत्यधिक जनसंख्या का होना समस्या है।' आपने कहा कि जनसंख्या के साथ हमें उपभोग के संबंध पर भी ध्यान देना चाहिए और उन्होंने गांधीजी के उस कथन की याद दिलाई की 'प्रकृति के पास मानव की आवश्यकता की पूर्ति के लिए सब कुछ है परंतु लोभ की नहीं।' डॉ कुमार ने आगे कहा कि भारत में 1 प्रतिशत लोगों के पास भारत की 50 प्रतिशत जनसंख्या के बराबर की अर्थव्यवस्था है और 5 प्रतिशत लोगों के पास भारत के 40 प्रतिशत आबादी के बराबर की अर्थव्यवस्था है । आपका कहना है कि गुणवत्तापरक शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य के माध्यम से जनसंख्या को अवसर के रूप में देखा जा सकता है किंतु हम अवसरों का लाभ नहीं ले पा रहे हैं । डॉ कुमार ने पर्यावरण ,जनसंख्या और भूमंडलीकरण तीनों को समग्रता में समझने की बात कही क्योंकि तीव्र गति से हो रहे परिवर्तन से 'नई संरचना' का जन्म हो रहा है। भविष्य में राज्य की भूमिका में कोई कमी नहीं होगी । राज्य निर्णायक भूमिका में रहेगा और सिविल सोसाइटी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता ,प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव ने किया और इस तरह के राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कराने पर समाजशास्त्र विभाग को बधाई दी एवं प्रसन्नता जाहिर कि भविष्य महाविद्यालय में इस तरह के और भी आयोजन जल्द ही किए जाएंगे । प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा की जनसंख्या को हमें अवसर के रूप में देखना चाहिए । इस अवसर पर माननीय प्रबंधक श्री लाल बहादुर सिंह जी का भी आशीर्वाद हम सभी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक ,डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, संयोजक, श्री संजीत सिंह चौहान रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव, डॉ . रमेश चंद्र यादव, सहायक आचार्य समाजशास्त्र द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत ,डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा ,सहायक आचार्य, अंग्रेजी एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ वीरेंद्र कुमार यादव , सहायक आचार्य ,भूगोल द्वारा किया गया। ऑनलाइन आयोजित इस संगोष्ठी में डॉक्टर संजीव कुमार, डॉ अजय कुमार सिन्हा ,डॉक्टर नवीन सिंह सहित समस्त शिक्षक ,कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं तथा विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

समाज, राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए : प्रोफेसर डी.आर साहू

लालगंज/रायबरेली (विधान केसरी)। बैसवारा डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या 2023 के अवसर पर आयोजित जनसंख्या एवं भूमंडलीकरण : चुनौतियां और अवसर विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डी.आर. साहू विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र,लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा समाज, राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि समाज वैज्ञानिक होने के नाते हमें समस्याओं की पहचान, समस्याओं का एहसास और समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना होगा । 2050 तक विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ,प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव ने किया और इस तरह के राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कराने पर समाजशास्त्र विभाग को बधाई दी एवं प्रसन्नता जाहिर कि भविष्य महाविद्यालय में इस तरह के और भी आयोजन जल्द ही किए जाएंगे। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा की जनसंख्या को हमें अवसर के रूप में देखना चाहिए। इस अवसर पर माननीय प्रबंधक लाल बहादुर सिंह का भी आशीर्वाद हम सभी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, संयोजक, संजीत सिंह चौहान रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव, डॉ. रमेश चंद्र यादव, सहायक आचार्य समाजशास्त्र द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत ,डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा ,सहायक आचार्य, अंग्रेजी एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वीरेंद्र कुमार यादव , सहायक आचार्य, भूगोल द्वारा किया गया। ऑनलाइन आयोजित इस संगोष्ठी में डॉक्टर संजीव कुमार, डॉ अजय कुमार सिन्हा,डॉक्टर नवीन सिंह सहित समस्त शिक्षक ,कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं तथा विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

समाज, राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए-प्रोफ़ेसर डीआर साहू

बैसवारा डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग की ओर से विश्व जनसंख्या दिवस पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज, रायबरेली। बैसवारा डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग की ओर से विश्व जनसंख्या २०२३ पर जनसंख्या एवं भूमंडलीकरण, चुनौतियां और अवसर विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ने कहा समाज, राज्य और बाजार का सहयोगात्मक ढांचा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज वैज्ञानिक होने के नाते हमें समस्याओं की पहचान, समस्याओं का एहसास और समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना होगा। २०५० तक विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर बेस्ट एशियन स्टडीज, इंटरनेशनल स्कूल जेएनयू नई दिल्ली डॉ० अमित कुमार ने कहा कि जनसंख्या समस्या नहीं है बल्कि अत्यधिक जनसंख्या का होना समस्या है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के साथ हमें उपभोग के संबंध पर भी ध्यान देना चाहिए और उन्होंने गांधीजी के उस कथन की याद दिलाई कि प्रकृति के पास मानव की आवश्यकता की पूर्ति के लिए सब कुछ है, परंतु लोभ की नहीं। डॉ० कुमार ने आगे कहा कि भारत में एक प्रतिशत लोगों के पास भारत की ५० प्रतिशत जनसंख्या के बराबर की अर्थव्यवस्था है और ५ प्रतिशत लोगों के पास भारत के ४० प्रतिशत आबादी के बराबर की अर्थव्यवस्था है।

डॉ० कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य के माध्यम से जनसंख्या को अवसर के रूप में देखा जा सकता है किंतु हम अवसरों का लाभ नहीं ले पा रहे हैं । डॉ० कुमार ने पर्यावरण, जनसंख्या और भूमंडलीकरण तीनों को समग्रता में समझने की बात कही, क्योंकि तीव्र गति से हो रहे परिवर्तन से नई संरचना का जन्म हो रहा है। भविष्य में राज्य की भूमिका में कोई कमी नहीं होगी। राज्य निर्णायक भूमिका में रहेगा और सिविल सोसाइटी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य शीला श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कराने पर समाजशास्त्र विभाग को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में महाविद्यालय में इस तरह के और भी आयोजन जल्द ही किए जाएंगे। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा कि जनसंख्या को हमें अवसर के रूप में देखना चाहिए। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ० शैलेंद्र कुमार सिंह, संयोजक संजीत सिंह चौहान रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव समाजशास्त्र सहायक आचार्य डॉ० रमेश चंद्र यादव द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत डॉ० नवीन कुमार विश्वकर्मा और धन्यवाद ज्ञापन डॉ० वीरेंद्र कुमार यादव द्वारा किया गया। ऑनलाइन आयोजित इस संगोष्ठी में डॉ० संजीव कुमार, डॉ० अजय कुमार सिन्हा, डॉ० नवीन सिंह सहित समस्त शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं तथा विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर प्रबंधक देवेन्द्र बहादुर सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।